UTKARSH CLASSES

For Session 2022-23

RBSE

भूगोल

CLASS-XII

मॉडल पेपर्स

सॉल्यूशन सहित

RBSE द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम व ब्लूप्रिंट पर आधारित नवीनतम मॉडल पेपर

भूगोल (14)

कक्षा-XII

MODEL PAPER (RBSE) 8

समय : 3 घंटे 15 मिनट | पूर्णांक : 56

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश:

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
6. प्रश्नों का अंक भार निम्नानुसार है।

खण्ड	प्रश्न की संख्या	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रत्येक प्रश्न	कुल अंक भार
खण्ड- अ (A)	1 (i to ix) 2 (i to iv) 3 (i to iv)	17	1	17
खण्ड- ब (B)	4 से 15	12	1½	18
खण्ड- स (C)	16 से 18	3	3	9
खण्ड- द (D)	19 से 20	2	4	8
खण्ड- य (E)	21 से 22	2	2	4

7. प्रश्न क्रमांक 21 से 22 मानचित्र कार्य से संबंधित हैं और प्रत्येक 2 अंक का है।
8. भारत एवं विश्व के उपलब्ध कराये गये रेखा मानचित्रों को उत्तर पुस्तिका के साथ नत्थी करें।

खण्ड-अ

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

(i) मार्क्स के सिद्धान्त का उपयोग किस विचारधारा ने किया है? [1]

(अ) रेडिकल (ब) संभववादी
(स) व्यवहारवादी (द) कल्याणवादी

(ii) 18वीं सदी में हुई प्रौद्योगिकीय प्रगति के दौरान विश्व जनसंख्या में विस्फोटक वृद्धि हुई- [1]

(अ) जन्मदर बढ़ने के कारण (ब) जन्मदर घटने के कारण
(स) मृत्युदर बढ़ने के कारण (द) मृत्युदर घटने के कारण

(iii) H.D.I. रिपोर्ट में स्वास्थ्य के मूल्यांकन का सूचक होता है [1]

(अ) प्रौढ़ साक्षरता दर (ब) सकल नामांकन अनुपात
(स) जीवन प्रत्याशा (द) क्रय शक्ति

(iv) विश्व का व्यस्ततम व्यापारिक जलमार्ग, जिसे 'वृहद् ट्रंक मार्ग' भी कहते हैं, कौनसा है? [1]

(अ) उत्तमाशा अंतरीप समुद्री मार्ग
(ब) उत्तरी प्रशान्त समुद्री मार्ग
(स) उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग
(द) भूमध्य सागरीय-हिन्द महासागरीय मार्ग

(v) विनिपेग व फ्रेंकफर्ट किस प्रकार के नगर हैं- [1]

(अ) प्रशासनिक (ब) औद्योगिक
(स) धार्मिक (द) व्यावसायिक

(vi) पक्षपातों व पूर्वाग्रहों को संशोधित करते हुए, लोगों की प्रतिभागिता व उनकी सुरक्षा को जिस मानव विकास रिपोर्ट ने प्रमुख मुद्दा बनाया, वह कब जारी हुई? [1]

(अ) 1990 (ब) 1993
(स) 1992 (द) 1991

(vii) केन्द्र सरकार द्वारा प्रवर्तित जल संभर विकास परियोजना है- [1]

(अ) नीरू-मीरू (ब) हरियाली
(स) अरवारी (द) हरित क्रांति

(viii) 'पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम' को किस पंचवर्षीय योजना में प्रारंभ किया गया? [1]

(अ) पाँचवी (ब) छठी
(स) सातवीं (द) आठवीं

(ix) भू-निम्नीकरण से अभिप्राय है- [1]

(अ) भूमि का धंसना (ब) भू-स्खलन
(स) उत्पादकता में कमी (द) भूकम्प

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-
(i) विश्व में सबसे कम लिंगानुपात ..... देश में है। [1]
(ii) सम्पूर्ण यूरोप में 'ट्यूलिप' फूल की आपूर्ति करने वाला देश ..... है। [1]
(iii) दो अथवा अधिक मार्गों का संधि -स्थल ..... कहलाता है। [1]
(iv) भारतीय अर्थव्यवस्था में व्यापक सुधार के लिए नई ..... नीति सन् 1991 में लागू की गई। [1]

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-
(i) किस संकल्पना में प्रकृति की तुलना में मानव को अधिक प्रबल माना गया है? [1]
(ii) विस्तृत वाणिज्यिक कृषि को देखने हेतु आपको किन घास के मैदानों की यात्रा करनी होगी? (कोई दो) [1]
(iii) 'जल संभर प्रबंधन' से क्या तात्पर्य है? [1]
(iv) पर्यावरण प्रदूषण किसका परिणाम है? [1]

खण्ड - ब

लघूतरात्मक प्रश्न-
4. अशोधित जन्म दर (C.B.R.) से आप क्या समझते हैं? [1½]
5. मानव गरीबी सूचकांक, मानव विकास सूचकांक की अपेक्षा अधिक कमी उद्घाटित करता है। कैसे? समझाइए। [1½]
6. नगरों की सड़कों पर दीर्घकालीन संकुलता की समस्या के लिए कोई तीन समाधान बताइए। [1½]
7. द्विपार्श्विक एवं बहु पार्श्विक व्यापार में क्या अंतर है? [1½]
8. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के तीन महत्त्वपूर्ण पक्ष बताइए। [1½]
9. संहत बस्ती एवं प्रकीर्ण बस्ती में अन्तर स्पष्ट कीजिए। (कोई दो) [1½]
10. राष्ट्रीय युवा नीति (NYP-2014) पर टिप्पणी लिखिए। [1½]
11. भारत में स्त्री व पुरुष प्रवास के कारणों में मुख्य अन्तर बताइए। [1½]
12. गुच्छित एवं विखण्डित बस्तियों में दो अन्तर बताइए। [1½]
13. दक्षिण-पश्चिमी पठार प्रदेश पर टिप्पणी लिखिए। [1½]
14. भारत के सूखा संभावी क्षेत्रों के विस्तार का उल्लेख कीजिए। [1½]
15. भारत को समुद्री पत्तनों के विकास की दृष्टि से कौनसे प्राकृतिक लाभ प्राप्त है? [1½]

खण्ड-स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-
16. सेवाएँ विभिन्न स्तरों पर पाई जाती है। कैसे? समझाइए। [3]
17. स्वतंत्रता के पश्चात भारत में स्थापित दो एकीकृत इस्पात संयत्रों की विवेचना कीजिए। [3]
18. भारत में निम्नलिखित परिवहन तंत्रों पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखिए- [1½+1½=3]
(i) कोंकण रेलवे
(ii) महासागरीय जलमार्ग

खण्ड - द

निबन्धात्मक प्रश्न–
19. विश्व में लौह-इस्पात उद्योग की अवस्थिति एवं वितरण का विस्तृत वर्णन कीजिए। [4]
अथवा
कच्चे माल पर आधारित निम्नलिखित उद्योगों का विस्तृत विश्लेषण कीजिए:- [1x4=4]
(i) कृषि आधारित (ii) खनिज आधारित
(iii) वनों पर आधारित (iv) पशु आधारित
20. भारतीय कृषि की किन्हीं चार समस्याओं का विश्लेषण कीजिए। [4]
अथवा
भारत में चाय एवं कॉफी की कृषि के उत्पादन एवं वितरण का विश्लेषण कीजिए। [4]

खण्ड - य

21. दिए गए भारत के मानचित्र में निम्न मैंगनीज उत्पादक केन्द्रों को दर्शाइए- [½×4=2]
(अ) बालाघाट
(ब) सुन्दरगढ़
(स) नागपुर
(द) गोआ

22. दिए गए विश्व के मानचित्र में निम्न हवाई पत्तनों को दर्शाइए- [½×4=2]
(अ) जोहान्सबर्ग
(ब) टोक्यो
(स) पर्थ
(द) नई दिल्ली

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

उत्तरमाला – 08

खण्ड - अ

1.

(i) **[अ]**
रेडिकल (आमूलवादी) विचारधारा ने निर्धनता के कारण, बंधन और सामाजिक असमानता की व्याख्या के लिए मार्क्स के सिद्धान्त का उपयोग किया।

(ii) **[द]**
अठारहवीं शताब्दी में औद्योगिक क्रान्ति के पश्चात् विश्व जनसंख्या में विस्फोटक वृद्धि हुई। अब तक प्राप्त प्रौद्योगिकीय प्रगति ने मृत्युदर को घटाने में सहायता की तथा त्वरित जनसंख्या वृद्धि के लिए मंच प्रदान किया।

(iii) **[स]**
मानव विकास सूचकांक की रिपोर्ट में जीवन प्रत्याशा स्वास्थ्य के मूल्यांकन का एक महत्त्वपूर्ण सूचक है। क्रय शक्ति से संसाधनों तक पहुँच का तथा प्रौढ़ साक्षरता दर व सकल नामांकन अनुपात से शिक्षा का मूल्यांकन किया जाता है।

(iv) **[स]**
उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग द्वारा विश्व के एक चौथाई विदेशी व्यापार का परिवहन सम्पन्न होता है। इसलिए यह विश्व का व्यस्ततम व्यापारिक जलमार्ग है।

(v) **[द]**
विनिपेग (कनाडा) व फ्रैंकफर्ट (जर्मनी) व्यापारिक एवं व्यावसायिक नगरों की श्रेणी के अन्तर्गत आते हैं। विनिपेग ने कृषि बाजार के रूप में जबकि फ्रैंकफर्ट ने वित्तीय कार्य के केन्द्र के रूप में पहचान बनाई है।

(vi) **[ब]**
संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने अपनी 1993 की मानव विकास रिपोर्ट में विकास की अवधारणा में अभिभूत कुछ स्पष्ट पक्षपातों व पूर्वाग्रहों को संशोषित करने का प्रयत्न किया।

(vii) **[ब]**
'हरियाली' केन्द्र सरकार द्वारा प्रवर्तित जल-संभर विकास परियोजना है। जिसका उद्देश्य ग्रामीण जनसंख्या को पीने, सिंचाई, मत्स्य पालन व वन रोपण के लिए जल संरक्षण के लिए योग्य बनाना है।

(viii) **[अ]**
पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम को पाँचवीं पंचवर्षीय योजना में प्रारम्भ किया गया। इसके अन्तर्गत सम्पूर्ण भारत में विभिन्न राज्यों के 15 जिलों को सम्मिलित किया गया।

(ix) **[स]**
भू-निम्नीकरण का अभिप्राय स्थायी या अस्थायी तौर पर भूमि की उत्पदकता में कमी है। यह प्राकृतिक तथा मानवजनित विभिन्न प्रक्रियाओं द्वारा तीव्रता से होता है।

2.

(i) संयुक्त अरब अमीरात
(ii) नीदरलैण्ड
(iii) नोड
(iv) औद्योगिक

3.

(i) संभववादी संकल्पना में।
(ii) विस्तृत वाणिज्यिक कृषि वाले दो प्रमुख घास के मैदान निम्नलिखित हैं- यूरेशिया के स्टेपीज मैदान और उत्तरी अमेरिका के प्रेयरीज मैदान।
(iii) जल संभर प्रबंधन से तात्पर्य, मुख्य रूप से, धरातलीय और भौम जल संसाधनों के दक्ष प्रबंधन से है।
(iv) पर्यावरण प्रदूषण मानवीय क्रियाकलापों के अपशिष्ट उत्पादों से मुक्त द्रव्य एवं ऊर्जा का परिणाम है।

खण्ड - ब

4. **अशोधित जन्म दर (Crude Birth Rate)**
किसी वर्ष के मध्य में प्रति हजार स्त्रियों द्वारा जन्म दिये गये जीवित बच्चों की संख्या अशोधित जन्म दर कहलाती है।

अशोधित जन्म दर =

$$\frac{\text{किसी वर्ष में जीवित जन्म}}{\text{किसी वर्ष विशेष में वर्ष के मध्य जनसंख्या}} \times 1000$$

5. मानव गरीबी सूचकांक मानव विकास सूचकांक से संबंधित है। यह एक बिना आय वाला माप है। किसी प्रदेश के मानव विकास में कमी दर्शाने के लिए 40 वर्ष की आयु तक जीवित न रह पाने की संभाव्यता, प्रौढ़ निरक्षरता दर, स्वच्छ जल तक पहुँच न रखने वाले लोगों की संख्या और अल्पभार वाले छोटे बच्चों की संख्या सभी इसमें गिने जाते हैं। अत: मानव गरीबी सूचकांक, मानव विकास सूचकांक की अपेक्षा अधिक कमी उद्घाटित करता है।

6. जब सड़क तंत्र यातायात की जरूरतों के अनुरूप विकसित न हो पाए तो सड़कों पर संकुलन बढ़ जाता है। विश्व के अधिकांश नगर सड़कों पर पाई जाने वाली यातायात संकुलता की समस्या का सामना कर रहे हैं। इस समस्या के निम्नलिखित तीन समाधान हो सकते हैं-
(i) उच्चतर पार्किंग शुल्क।
(ii) सामूहिक शीघ्र संचरण।
(iii) सार्वजनिक बस सेवाओं में सुधार व परिवहन के द्रुतमार्ग।

7. **द्विपार्श्विक व्यापार:** द्विपार्श्विक व्यापार दो देशों के द्वारा एक दूसरे के साथ किया जाता है। आपस में निर्दिष्ट वस्तुओं का व्यापार करने के लिए वे सहमति करते हैं।
बहु पार्श्विक व्यापार: बहु पार्श्विक व्यापार बहुत से व्यापारिक देशों के साथ किया जाता है। वही देश अन्य अनेक देशों के साथ व्यापार कर सकता है। देश कुछ व्यापारिक साझेदारों को 'सर्वाधिक अनुकूल राष्ट्र' की स्थिति प्रदान कर सकता है।

8. **अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के तीन महत्त्वपूर्ण पक्ष निम्नलिखित हैं-**
व्यापार का परिमाण- व्यापार की गई वस्तुओं का वास्तविक तौल परिमाण कहलाता है।
व्यापार संयोजन- समय के साथ व्यापार में सम्मिलित होने वाली वस्तुओं की प्रकृति परिवर्तित हो जाती हैं। व्यापार की प्रकृति में क्षेत्रों के अनुसार भी बदलाव आता है।
व्यापार की दिशा- स्थानिक एवं कालिक दृष्टिकोण से विभिन्न प्रदेशों के आयात व निर्यात की स्थितियों में परिवर्तन आता है।

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

9. **संहत बस्ती:** इस प्रकार की बस्तियाँ वे होती हैं जिनमें मकान एक दूसरे के समीप बनाए जाते हैं। यहाँ रहने वाला समुदाय मिलकर रहता है। इस तरह की बस्तियों का विकास नदी घाटियों के सहारे या उपजाऊ मैदानों में होता है।
प्रकीर्ण बस्ती: इन बस्तियों में मकान दूर-दूर होते हैं तथा प्रायः खेतों के द्वारा एक दूसरे से अलग होते हैं। एक सांस्कृतिक आकृति जैसे पूजा-स्थल अथवा बाज़ार, बस्तियों को एक साथ बाँधता है।

10. **राष्ट्रीय युवा नीति (NYP-2014)-** यह नीति फ़रवरी 2014 में आरंभ की गई है जो भारत के युवाओं के लिए एक समग्र दूरदर्शी प्रस्ताव रखती है। इसका उद्देश्य देश के युवाओं को अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए सक्षम बनाना और उनके द्वारा भारत को राष्ट्रों के समूह में अपना उचित स्थान प्राप्त करने में सक्षम बनाना है।

11. **पुरुषों और स्त्रियों के लिए प्रवास के कारणों में भिन्नता- काम और रोज़गार-** 26 प्रतिशत पुरुषों के प्रवास का मुख्य कारण रोज़गार रहा है, जबकि यह कारण केवल 2.3 प्रतिशत स्त्रियों के प्रवास के लिए उत्तरदायी है।
विवाह उपरांत प्रवास- 67 प्रतिशत स्त्रियाँ विवाह के उपरांत अपने मायके से बाहर जाती हैं। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में यह सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कारण है, मेघालय इसका अपवाद है जहाँ स्थिति उलट है।

12.

गुच्छित बस्तियाँ	विखण्डित बस्तियाँ
• गुच्छित ग्रामीण बस्ती घरों का एक संहत अथवा संकुलित रूप से निर्मित क्षेत्र होता है। • प्रमुख क्षेत्र- भारत में उपजाऊ जलोढ़ मैदान और उत्तर-पूर्वी राज्य।	• विखंडित बस्तियाँ परिक्षिप्त बस्ती के किसी सीमित क्षेत्र में गुच्छित होने की प्रवृत्ति का परिणाम है। • प्रमुख क्षेत्र- गुजरात के मैदान, राजस्थान के कुछ भाग।

13. **दक्षिण-पश्चिमी पठार प्रदेश-** यह पट्टी कर्नाटक, गोवा तथा संस्पर्शी तमिलनाडु उच्च भूमि और केरल पर विस्तृत है। यह पट्टी लौह धातुओं तथा बॉक्साइट में समृद्ध है। इसमें उच्च कोटि का लौह अयस्क, मैंगनीज़ तथा चूना-पत्थर भी पाया जाता है। नेवेली लिग्नाइट को छोड़कर इस क्षेत्र में कोयला निक्षेपों का अभाव है। केरल में मोनाजाइट तथा थोरियम और बॉक्साइट क्ले के निक्षेप हैं। गोवा में लौहा अयस्क निक्षेप पाए जाते हैं।

14. भारत में सूखा संभावी क्षेत्र मुख्यतः राजस्थान, गुजरात, पश्चिमी मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र, आंध्र प्रदेश के रायलसीमा और तेलंगाना पठार, कर्नाटक पठार और तमिलनाडु की उच्च भूमि तथा आंतरिक भाग के शुष्क और अर्ध-शुष्क भागों में फैले हुए हैं। पंजाब, हरियाणा और उत्तरी राजस्थान के सूखा प्रभावित क्षेत्र सिंचाई के प्रसार के कारण सूखे से बच जाते हैं।

15. **समुद्री पत्तनों के विकास की दृष्टि से प्राकृतिक लाभ-** भारत तीन ओर से समुद्र से घिरा हुआ है और प्रकृति ने हमें एक लंबी तटरेखा प्रदान की है। समुद्री यात्राओं की भारत में एक लंबी परंपरा रही है, यहाँ तक कि कई स्थानों के साथ उपनाम पत्तन जुड़ा हुआ है। भारत में समुद्री पत्तनों का एक रोचक तथ्य यह है कि इसके पूर्वी तट की अपेक्षा पश्चिमी तट पर अधिक पत्तन हैं।

खण्ड-स

16. सेवाएँ विभिन्न स्तरों पर पाई जाती हैं। निम्नस्तरीय सेवाएँ अधिक सामान्य और विस्तृत हैं। जैसे- पंसारी की दुकानें, धोबीघाट आदि। जबकि उच्चस्तरीय सेवाएँ अधिक विशिष्टीकृत होती हैं। जैसे- लेखाकार, परामर्शदाता और काय चिकित्सक आदि। निम्नस्तरीय सेवाकर्मी माली, धोबी और नाई मुख्य रूप से शारीरिक श्रम करते हैं। अध्यापक, वकील, चिकित्सक, संगीतकार और अन्य उच्चस्तरीय सेवाकर्मी मानसिक श्रम करते हैं। अनेक सेवाएँ अब नियमित हो गई हैं। महामार्गों एवं सेतुओं का निर्माण व अनुरक्षण, अग्निशमन विभागों का अनुरक्षण तथा शिक्षा की पूर्ति और ग्राहक-सेवा महत्त्वपूर्ण सेवाओं में से हैं, जिनका पर्यवेक्षण अथवा निष्पादन प्रायः सरकारों अथवा कंपनियों द्वारा किया जाता है। स्वास्थ्य की देखभाल, अभियांत्रिकी, विधि और प्रबंधन व्यावसायिक सेवाएँ हैं।

17. **भिलाई इस्पात संयंत्र-**
- स्थापना एवं सहयोग: रूस के सहयोग से भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में की गई एवं 1959 में इसमें उत्पादन प्रारंभ हो गया।
- कोयला: कोरबा और करगाली, लोहा: डल्ली राजहरा खानों से।
- जल/नदी: जल तंदुला बाँध से।
- विद्युतशक्ति: कोरबा ताप शक्तिगृह से।
- रेलवे मार्ग: कोलकाता-मुंबई रेलमार्ग पर स्थित है।
- उत्पादित इस्पात का अधिकांश भाग विशाखापट्टनम स्थित हिंदुस्तान शिपयार्ड में चला जाता है।

दुर्गापुर इस्पात संयंत्र
- स्थापना एवं सहयोग: दुर्गापुर इस्पात संयंत्र पश्चिम बंगाल में यूनाइटेड किंगडम की सरकार के सहयोग से स्थापित किया गया था।
- रेलवे मार्ग: कोलकाता-दिल्ली रेलवे मार्ग।
- लोहा: नोआमंडी, कोयला: रानीगंज और झरिया कोयला पेटी।
- जल विद्युत शक्ति जल दामोदर घाटी कॉर्पोरेशन से प्राप्त होते हैं।

18. **(i) कोंकण रेलवे**- 1998 में कोंकण रेलवे का निर्माण भारतीय रेल की एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। यह 760 कि.मी. लंबा रेलमार्ग महाराष्ट्र में रोहा को कर्नाटक के मंगलौर से जोड़ता है। यह रेलमार्ग 146 नदियों व धाराओं तथा 2000 पुलों एवं 91 सुरंगों को पार करता है। इस मार्ग पर एशिया की सबसे लंबी 6.5 कि.मी. की सुरंग भी है।
(ii) महासागरीय जलमार्ग- भारत के पास द्वीपों सहित लगभग 7,517 कि.मी. लंबा व्यापक समुद्री तट है। 12 प्रमुख तथा 185 गौण पत्तन इन मार्गों को संरचनात्मक आधार प्रदान करते हैं। भारत की अर्थव्यवस्था के परिवहन सेक्टर में महासागरीय मार्गों की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। भारत में भार के अनुसार लगभग 95% तथा मूल्य के अनुसार 70% विदेशी व्यापार महासागरीय मार्गों द्वारा होता है।

खण्ड - द

निबन्धात्मक प्रश्न–

19. **लौह इस्पात उद्योग-** लौह-इस्पात उद्योग सभी उद्योगों का आधार है इसलिए इसे आधारभूत उद्योग कहा जाता है। इसे भारी उद्योग भी कहते हैं क्योंकि इसमें बड़ी मात्रा में भारी-भरकम कच्चा माल उपयोग में लाया जाता है एवं इसके उत्पाद भी भारी होते हैं।

लौह-इस्पात उद्योग की अवस्थिति-

परंपरागत रूप से बड़े इस्पात उद्योग की स्थिति कच्चे माल के स्रोत के समीप ही रही है जहाँ लौह-अयस्क, कोयला, मैंगनीज एवं चूना-पत्थर आसानी से उपलब्ध हो जाता हो। यह ऐसे स्थान पर भी अवस्थित हो सकता है, जहाँ कच्चा माल आसानी से पहुँचाया जा सके। जैसे- पत्तन के समीप। छोटे इस्पात कारखाने, जिनका निर्माण और प्रचालन कम महँगा है, की अवस्थिति के लिए कच्चेमाल की अपेक्षा बाज़ार का समीप होना अधिक महत्त्वपूर्ण होता है क्योंकि कच्चे माल के रूप में रद्दी धातु बाज़ार से उपलब्ध हो जाती है। परंपरागत रूप से अधिकतर इस्पात का उत्पादन विशाल संघटित संयंत्रों द्वारा ही किया जाता था। अब छोटे इस्पात संयंत्र, जिनमें केवल एक प्रक्रिया- इस्पात निर्माण होता है, अधिक लगने लगे हैं।

विश्व वितरण:

उत्तरी अमेरिका-

- संयुक्त राज्य अमेरिका में लौह- इस्पात का उत्पादन होता है।
- अमेरिका के प्रमुख क्षेत्र- उत्तर अप्लेशियन प्रदेश (पिट्सबर्ग), महान झील क्षेत्र (शिकागो गैरी, इरी, क्लीवलैंड, लोरेन, बफैलो एवं ड्युलुथ), एटलांटिक तट (स्पैरोज पोइंट एवं मोरिसविले), दक्षिणी राज्य अलाबामा।

यूरोप-

- ग्रेट ब्रिटेन- बरमिंघम एवं शैफील्ड।
- जर्मनी- डूइसबर्ग, डोरटमुंड, डूसूलडोरफ एवं ऐसेन।
- फ्रांस- ली क्रीयुसोट एवं सेंट इटीनी।
- सोवियत रूस- मास्को, सेंट पीट्सबर्ग, लीपेटस्क एवं तुला।
- युक्रेन- क्रिबोइ, रॉग एवं दोनेत्सक।

एशिया-

- जापान- नागासाकी, टोक्यो एवं योकोहामा।
- चीन- शंघाई, तियनस्तिन एवं वूहान।
- भारत- जमशेदपुर, कुल्टी-बुरहानपुर, दुर्गापुर, राउरकेला, भिलाई, बोकारो, सेलम, विशाखापट्टनम एवं भद्रावती।

अथवा

(i) कृषि आधारित उद्योग- खेतों से प्राप्त कच्चे माल को विभिन्न प्रक्रियाओं द्वारा तैयार माल में बदलकर विक्रय हेतु ग्रामीण एवं नगरीय बाजारों में भेजा जाता है।

प्रमुख कृषि आधारित उद्योग- भोजन तैयार करने वाले उद्योग, शक्कर, अचार, फलों के रस, पेय पदार्थ, मसाले, तेल, वस्त्र, रबड़ उद्योग आदि।

भोजन प्रसंस्करण- कृषि से तैयार खाद्य में मलाई का उत्पादन, डिब्बाबंद खाद्य, फलों से खाद्य तैयार करना एवं मिठाइयाँ सम्मिलित की जाती हैं। खाद्य को सुरक्षित रखने की कई विधियाँ प्राचीन काल से चली आ रही है। जैसे उनको सुखाकर, संधान कर या अचार के रूप में तेल या सिरका आदि डालकर।

(ii) खनिज आधारित उद्योग-

इन उद्योगों में खनिजों को कच्चे माल के रूप में उपयोग किया जाता है। कुछ उद्योग लौह अंश वाले धात्विक खनिजों का उपयोग करते हैं, जैसे कि लौह इस्पात उद्योग जबकि कुछ उद्योग अलौह धात्विक खनिजों का उपयोग करते हैं जैसे एल्युमिनियम, ताँबा एवं जवाहरात उद्योग। सीमेंट, मिट्टी के बर्तन आदि उद्योगों में अधात्विक खनिजों का प्रयोग होता है।

(iii) वनों पर आधारित उद्योग-

वनों से प्राप्त कई मुख्य एवं गौण उपज कच्चे माल के रूप में उद्योगों में प्रयुक्त होती है। फर्नीचर उद्योग के लिए इमारती लकड़ी, कागज़ उद्योग के लिए लकड़ी, बाँस एवं घास तथा लाख उद्योग के लिए लाख वनों से ही प्राप्त होती है।

(iv) पशु आधारित उद्योग-

चमड़ा एवं ऊन पशुओं से प्राप्त प्रमुख कच्चा माल है। चमड़ा उद्योग के लिए चमड़ा एवं ऊनी वस्त्र उद्योग के लिए ऊन पशुओं से ही प्राप्त की जाती है। हाथीदाँत उद्योग के लिए दाँत भी हाथी से मिलता है।

20. **भारतीय कृषि की प्रमुख चार समस्याएँ निम्नलिखित है-**

(i) अनियमित मानसून पर निर्भरता- भारत में कृषि क्षेत्र का केवल एक-तिहाई भाग ही सिंचित है। शेष कृषि क्षेत्र में फ़सलों का उत्पादन प्रत्यक्ष रूप से वर्षा पर निर्भर है। दक्षिण-पश्चिम मानसून की अनिश्चितता व अनियमितता से सिंचाई हेतु नहरी जल आपूर्ति प्रभावित होती है। दूसरी तरफ़ राजस्थान तथा अन्य क्षेत्रों में वर्षा बहुत कम तथा अत्यधिक अविश्वसनीय है। अधिक वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में भी काफी उतार-चढ़ाव पाया जाता है। फलस्वरूप यह क्षेत्र सूखा व बाढ़ दोनों के लिए सुभेद्य हैं।

(ii) निम्न उत्पादकता- अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अपेक्षा भारत में फ़सलों की उत्पादकता कम है। भारत में अधिकतर फ़सलों जैसे- चावल, गेहूँ, कपास व तिलहन की प्रति हेक्टेयर पैदावार अमेरिका, रूस तथा जापान से कम है। भूसंसाधनों पर अधिक दबाव के कारण अंतर्राष्ट्रीय स्तर में भारत में श्रम उत्पादकता भी बहुत कम है।

(iii) वाणिज्यीकरण का अभाव- अधिकतर किसान अपनी ज़रूरत या स्वयं उपभोग हेतु फ़सलें उगाते हैं। इन किसानों के पास अपनी ज़रूरत से अधिक उत्पादन के लिए पर्याप्त भू-संसाधन नहीं हैं। यद्यपि सिंचित क्षेत्रों में कृषि का आधुनिकीकरण तथा वाणिज्यीकरण हो रहा है, फिर भी देश के अधिकांश कृषि क्षेत्र अभी भी वाणिज्यीकरण से दूर हैं।

(iv) व्यापक अल्प रोज़गारी- भारतीय कृषि में विशेषकर असिंचित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अल्प रोज़गारी पाई जाती है। इन क्षेत्रों में ऋत्विक बेरोज़गारी है जो 4 से 8 महीने तक रहती है। फ़सल ऋतु में भी वर्ष-भर रोज़गार उपलब्ध नहीं होता, क्योंकि कृषि कार्य लगातार गहन श्रम वाले नहीं है। अतः कृषि में कार्यरत लोगों को वर्ष-भर कार्य करने के अवसर प्राप्त नहीं होते।

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

अथवा

चाय- चाय एक रोपण कृषि है जो पेय पदार्थ के रूप में प्रयोग की जाती है। चाय की पत्तियों में कैफ़िन तथा टैनिन की प्रचुरता पाई जाती है।

भारत में उत्पादन- भारत में चाय की खेती 1840 में असम की ब्रह्मपुत्र घाटी में प्रारंभ हुई जो आज भी देश का प्रमुख चाय उत्पादन क्षेत्र है। भारत चाय का अग्रणी उत्पादक देश है तथा विश्व का लगभग 21.22 प्रतिशत चाय का उत्पादन करता है। अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में भारतीय चाय का भाग घटा है। चाय-निर्यातक देशों में भारत का चीन के पश्चात् विश्व में दूसरा स्थान है (2018)।

प्रमुख उत्पादक क्षेत्र- यह उष्ण-आर्द्र तथा उपोष्ण-आर्द्र कटिबंधीय जलवायु वाले तरंगित भागों पर अच्छे अपवाह वाली मिट्टी में बोई जाती है। असम के कुल शस्य क्षेत्र के 53.2 प्रतिशत भाग पर चाय की कृषि की जाती है तथा देश के कुल उत्पादन में आधे से अधिक भाग असम में पैदा होता है। चाय के अन्य महत्त्वपूर्ण उत्पादक राज्य- पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु हैं।

कॉफ़ी- कॉफ़ी एक उष्ण कटिबंधीय रोपण कृषि है। कॉफ़ी की तीन किस्में हैं- अरेबिका, रोबस्ता व लिबेरिका।

भारत में उत्पादन- भारत अधिकतर उत्तम किस्म की 'अरेबिका' कॉफ़ी का उत्पादन करता है, जिसकी अंतर्राष्टीय बाज़ार में बहुत माँग हैं। भारत में विश्व का केवल 3.17 प्रतिशत कॉफ़ी का उत्पादन होता है। ब्राजील, वियतनाम, इंडोनेशिया, कोलंबिया, होंडुरास, इथियोपिया तथा पेरू के बाद भारत का विश्व में आठवाँ स्थान है (2018)।

प्रमुख उत्पादन क्षेत्र- कर्नाटक, केरल व तमिलनाडु में पश्चिमी घाट की उच्च भूमि पर कॉफ़ी की कृषि की जाती है। देश के समस्त कॉफ़ी उत्पादन का दो-तिहाई से अधिक भाग अकेले कर्नाटक राज्य से आता है।

खण्ड - य

21.

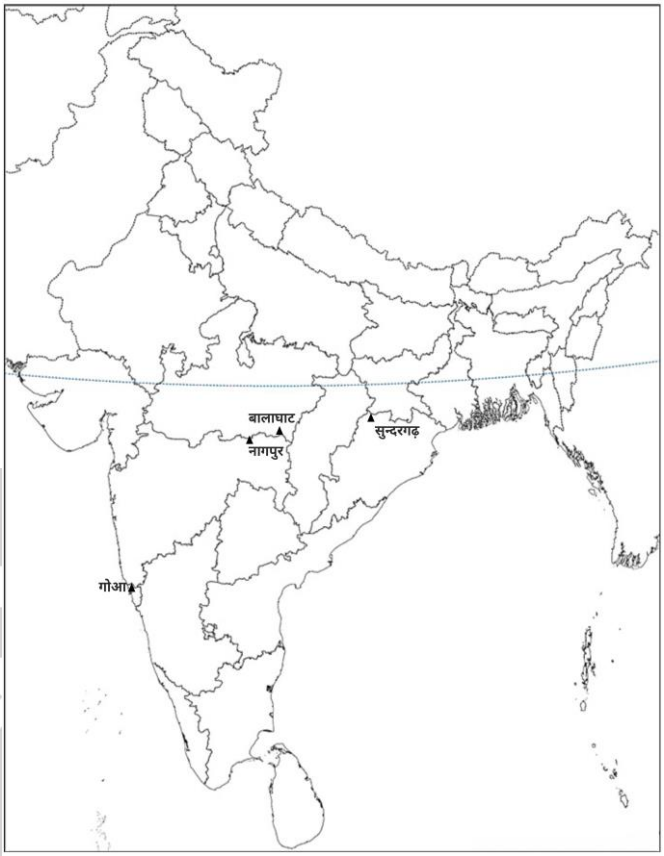

22.

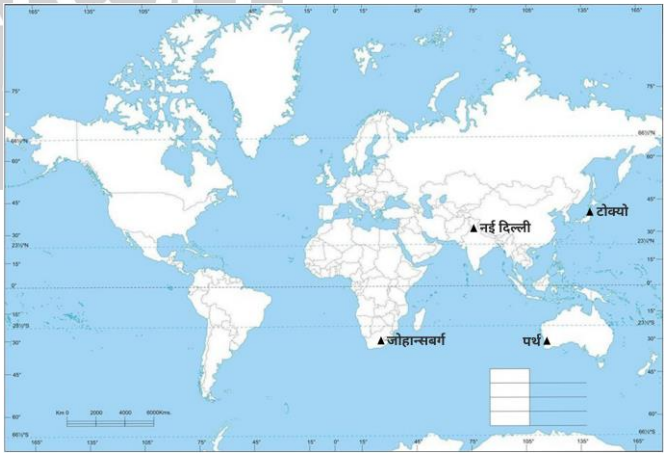

#अब कामयाबी पर होगा सबका हक़

UTKARSH CLASSES | CLASS 6-12

Smart e-Learning Programme

उत्कर्ष एप से घर बैठे कीजिए ऑनलाइन ट्यूशन और बनिए क्लास में टॉपर

उत्कर्ष एप में गुणवत्तामूलक स्कूली शिक्षा के ऑनलाइन कोर्सेस नाममात्र के शुल्क में उपलब्ध

QR Code Scan
कर आज ही
'उत्कर्ष एप'
डाउनलोड करें

Academic Session 2022-23

Class VI-VIII	~~₹10,000~~	₹1999	CBSE | RBSE & Other 7 State Boards
Class IX-X	~~₹15,000~~	₹2999	
Class XI-XII	~~₹18,000~~	₹3499	

₹1200/- per subject Live	₹600/- per subject Recorded

Class XI-XII
(Science, Commerce & Arts)

• **LIVE & Recorded Classes** • **English & Hindi Medium**

आज से ही बनाएँ अपनी पढ़ाई को और बेहतर
Utkarsh Online Tuition के साथ

उत्कर्ष एप ही क्यों ?

- विख्यात व अनुभवी विषय-विशेषज्ञों की टीम
- फैकल्टी द्वारा हस्तलिखित पैनल PDF & e-Notes
- नियमित टेस्ट द्वारा मूल्यांकन (MCQs & Self Assessment)
- टॉपिकवाइज़ क्विज़ एवं उनका वीडियो व्याख्यान
- Live Poll during interactive classes.
- 4K डिजिटल पैनल पर इंटरैक्टिव कक्षाएँ
- 360° Rapid Revision.

15 M+ SUBSCRIBERS
2 M+ SUBSCRIBERS
10 M+ DOWNLOADS
1 M+ FOLLOWERS

UTKARSH CLASSES

www.utkarsh.com support@utkarsh.com